चीनी उत्पादन 35% घटकर 45.8 लाख टन रहा : इस्मा

[भाषा | नई दिल्ली]

देश में चीनी उत्पादन इस मार्केटिंग इयर में 15 दिसंबर तक 35 पर्सेंट गिरकर 45.8 लाख टन पर आ गया। महाराष्ट्र और कर्नाटक में उत्पादन घटने के कारण ऐसा हुआ है। चीनी मिलों के शीर्ष संगठन इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) ने बुधवार को यह जानकारी दी। चीनी का मार्केटिंग इयर अक्टूबर से सितंबर चलता है। पिछले मार्केटिंग इयर की इसी अवधि में चीनी उत्पादन 70.5 लाख टन था।

प्राइवेट मिलों का प्रतिनिधित्व करने वाली इस्मा ने बताया कि 15 दिसंबर 2019 तक 406 चीनी मिलों में गन्ने की पेराई हो रही थी। पिछले मार्केटिंग इयर में 15 दिसंबर तक 473 मिलें पेराई कर रही थीं। देश के सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश में मिलों ने 15 दिसंबर तक 21.2 लाख टन चीनी का उत्पादन किया था। एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 18.9 लाख टन था। हालांकि, महाराष्ट्र के चीनी उत्पादन में तेज गिरावट दर्ज की गई है। यहां की चीनी मिलें 15 दिसंबर 2019 तक 7.66 लाख टन चीनी का ही उत्पादन कर सकी थीं। इसकी तुलना में 15 दिसंबर 2018 तक 29 लाख टन का उत्पादन हुआ था। महाराष्ट्र दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक राज्य है। तीसरे सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य कर्नाटक में 15 दिसंबर 2019 तक उत्पादन घटकर 10.6 लाख टन रहा। एक साल पहले की इसी अवधि में यह आंकड़ा 13.9 लाख टन था। इस्मा ने बताया, 'महाराष्ट्र और कर्नाटक में चीनी उत्पादन पिछले साल की तुलना में कम है। दोनों राज्यों में मिलों ने देरी से काम शुरू किया था।'

इस्मा ने यह भी बताया कि गन्ने की पेराई से निकाली जाने वाली चीनी की मात्रा पिछले साल के मुकाबले अब तक कम रही है। चीनी मिलें ताजे गन्ने के साथ बाढ़ में खराब हुए गन्ने की भी पेराई कर रही हैं। गुजरात में 1.52 लाख टन, बिहार में 1.35 लाख टन, पंजाब में 75 हजार टन, तमिलनाडु में 73 हजार टन, हरियाणा में 65 हजार टन, मध्य प्रदेश में 35 हजार टन और तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में मिलाकर 30 हजार टन चीनी का उत्पादन हुआ है।

Economic Times
19/12/19